भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 130
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 01 दिसंबर, 2025
10 अग्रहायण, 1947 (शक)

नालंदा में उत्खनन और संरक्षण

130. श्री कौशलेन्द्र कुमार:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार नालंदा में पुरातात्विक उत्खनन और संरक्षण कार्य के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पर्याप्त निधि और संसाधन उपलब्ध करा रही है;
(ख) क्या सरकार ने उक्त कार्यों के लिए अनुभवी पुरातत्वविदों, मानचित्रकारों, सर्वेक्षकों और सिनेमैटोग्राफरों की एक टीम गठित की है;
(ग) क्या उक्त कार्यों में स्थानीय समुदायों की भागीदारी से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और साथ ही वे अपनी विरासत के संरक्षण में भागीदारी कर सकेंगे;
(घ) क्या पुरातात्विक स्थलों के संरक्षण हेतु इन पुरातात्विक उत्खनन और संरक्षण कार्यों के माध्यम से नालंदा को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है; और
(ड.) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी, हाँ। सरकार नालंदा में पुरातत्वीय उत्खननों और संरक्षण कार्यों के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को पर्याप्त निधियाँ और संसाधन उपलब्ध करा रही है।

(ख): जी, हाँ। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास उत्खनन और संरक्षण कार्य के लिए एक कुशल एवं अनुभवी दल है।

(ग): जी, हाँ। उत्खनन और संरक्षण कार्य में स्थानीय समुदाय के शामिल होने से स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलता है और साथ ही साथ वे अपनी धरोहर के परिरक्षण में भाग ले पाते हैं।

(घ) और (ड.): नालंदा में चल रहे संरक्षण कार्यों और पुरातात्विक उत्खनन के माध्यम से एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन गया है। नालंदा 2010 से विश्व धरोहर स्थल है।

*****